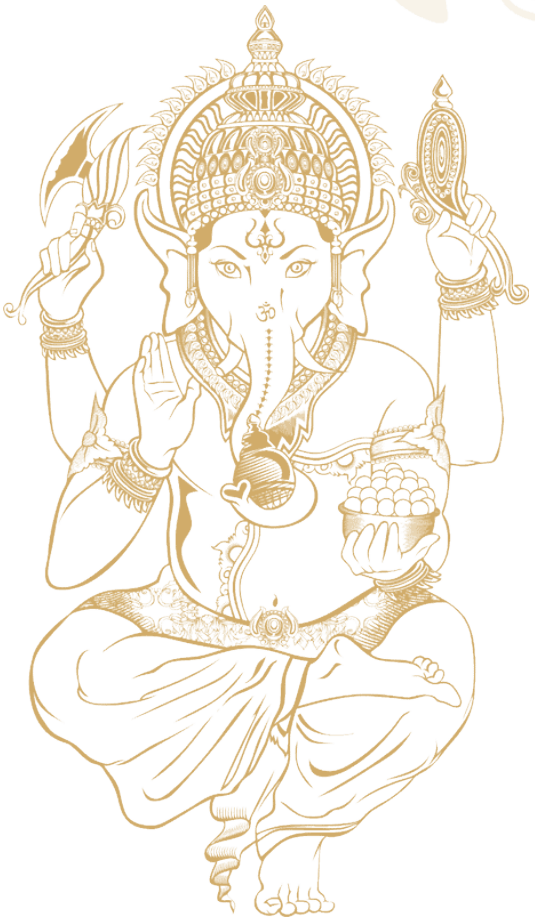

Raksha

20 Nov 1995

07:37 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121441903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/11/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:37:00 घंटे**
इष्ट	32:31:29 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:21:16 घंटे
वेलान्तर	00:14:32 घंटे
साम्पातिक काल	23:17:45 घंटे
सूर्योदय	06:36:24 घंटे
सूर्यास्त	17:26:03 घंटे
दिनमान	10:49:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:58:18 वृश्चिक
लग्न के अंश	07:25:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:25:44	329:23:50	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	03:58:18	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	05:52:08	14:13:18	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	28:40:37	00:44:53	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध		अ	वृश्चि	02:27:28	01:35:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	26:19:55	00:13:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	27:32:14	01:14:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
शनि	व		कुंभ	24:11:44	00:00:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	02:27:44	00:00:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	02:27:44	00:00:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:34:08	00:02:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:33:39	00:01:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:35:08	00:02:23	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	24:42:27	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:04

लग्न-चलित

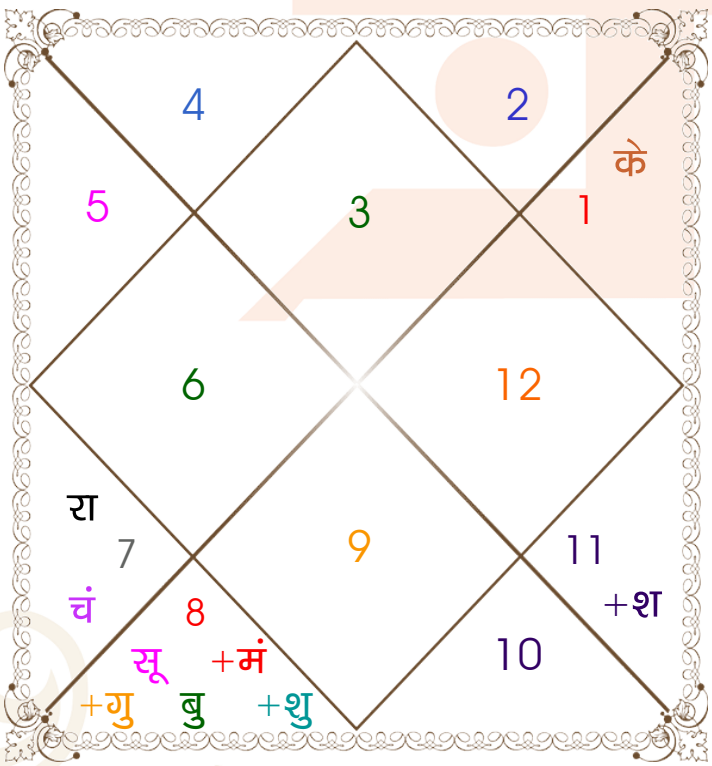

चन्द्र कुंडली

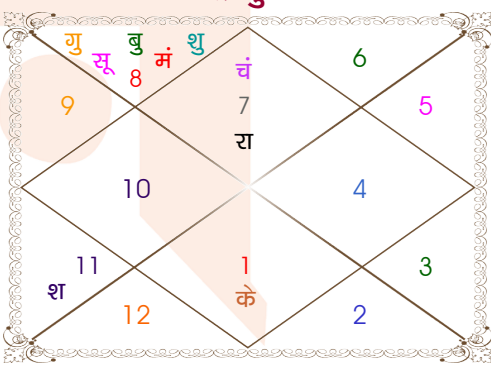

नवमांश कुंडली

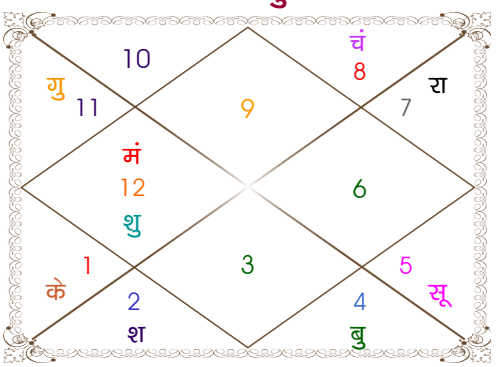

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 5 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/11/1995		21/04/1996		22/04/2014		22/04/2030		22/04/2049	
21/04/1996		22/04/2014		22/04/2030		22/04/2049		22/04/2066	
	00/00/0000	राहु	02/01/1999	गुरु	09/06/2016	शनि	25/04/2033	बुध	18/09/2051
	00/00/0000	गुरु	28/05/2001	शनि	21/12/2018	बुध	03/01/2036	केतु	14/09/2052
	00/00/0000	शनि	03/04/2004	बुध	28/03/2021	केतु	11/02/2037	शुक्र	16/07/2055
	00/00/0000	बुध	21/10/2006	केतु	04/03/2022	शुक्र	12/04/2040	सूर्य	22/05/2056
	00/00/0000	केतु	09/11/2007	शुक्र	02/11/2024	सूर्य	25/03/2041	चंद्र	21/10/2057
	00/00/0000	शुक्र	09/11/2010	सूर्य	21/08/2025	चंद्र	24/10/2042	मंगल	18/10/2058
	00/00/0000	सूर्य	03/10/2011	चंद्र	21/12/2026	मंगल	03/12/2043	राहु	07/05/2061
	20/11/1995	चंद्र	03/04/2013	मंगल	27/11/2027	राहु	09/10/2046	गुरु	13/08/2063
चंद्र	21/04/1996	मंगल	22/04/2014	राहु	22/04/2030	गुरु	22/04/2049	शनि	22/04/2066

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/04/2066		22/04/2073		22/04/2093		22/04/2099		23/04/2109	
22/04/2073		22/04/2093		22/04/2099		23/04/2109		21/11/2115	
केतु	18/09/2066	शुक्र	21/08/2076	सूर्य	09/08/2093	चंद्र	20/02/2100	मंगल	19/09/2109
शुक्र	18/11/2067	सूर्य	21/08/2077	चंद्र	08/02/2094	मंगल	21/09/2100	राहु	07/10/2110
सूर्य	25/03/2068	चंद्र	22/04/2079	मंगल	16/06/2094	राहु	23/03/2102	गुरु	13/09/2111
चंद्र	24/10/2068	मंगल	21/06/2080	राहु	10/05/2095	गुरु	23/07/2103	शनि	22/10/2112
मंगल	22/03/2069	राहु	22/06/2083	गुरु	26/02/2096	शनि	21/02/2105	बुध	19/10/2113
राहु	10/04/2070	गुरु	20/02/2086	शनि	07/02/2097	बुध	23/07/2106	केतु	17/03/2114
गुरु	17/03/2071	शनि	22/04/2089	बुध	15/12/2097	केतु	21/02/2107	शुक्र	17/05/2115
शनि	24/04/2072	बुध	20/02/2092	केतु	22/04/2098	शुक्र	22/10/2108	सूर्य	22/09/2115
बुध	22/04/2073	केतु	22/04/2093	शुक्र	22/04/2099	सूर्य	23/04/2109	चंद्र	21/11/2115

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 4 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।